SSP/01/225

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बाल सत्संग – १

(रविवार, १९ जुलाई, १९९८)

प्रश्न संख्या	*प्राप्तांक*
१.	
२.	
३.	
४.	
५.	
६.	
७.	
८.	
९.	
१०.	
स्वच्छ अक्षर	
कुल	

समय : सुबह ९:०० से ११:००

कुल अंक : १००

परीक्षार्थी क्रमांक

केन्द्र क्रमांक

परीक्षार्थी की उम्र : .....वर्ष **केन्द्र का नाम : .....**

वर्ग सुपरवाईजर के हस्ताक्षर : .....

सूचना :-

१. *दायीँ ओर दिए गए अंक प्रश्न के पूणाँक हैं ।*

२. *सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

३. *छेकछाकवाले उत्तर अमान्य होंगे ।*

४. **बढिया, सुंदर और स्वच्छ लिखावट के लिए** **पाँच अंक आरक्षित हैं।**

परीक्षक के हस्ताक्षर : .....

प्र. १. कोष्टक में दिए गए शब्दों में से योग्य शब्द का उपयोग कर के रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **१०**

१. *मगनीरामने ..... गाँव में महाराज के उपर मंत्रतंत्र की विद्या का प्रयोग किया। (लोज, गढडा, मांगरोल)*

२. *महाराजने लडके की ककडी को ..... पर बैठकर खाया। (हाथी, माणकी घोडी, मंदिर)*

३. *शिखर के नीचे वाला वह स्थान, जहाँ मूर्तियों की स्थापना होती है उसे ..... कहते है। (मंदिर, निजमंदिर, शिखरबद्ध मंदिर)*

४. *घनश्यामने ..... नामक ग्रंथ को उठा लिया। (गीता, वचनामृत, रामायण)*

५. *अमदावाद में ..... सरकार की सत्ता थी। (पेश्वा, गायकवाड, अंग्रेज)*

६. *जयरामदास ..... कूल के थे। (ब्राह्मण, पटेल, लोहाणा)*

७. *संत नदी - तालाब की शेवाल का भोजन ..... में करते। (श्रीनगर, भावनगर, जामनगर)*

८. *काशी में घनश्यामने ..... श्रेष्ठ है, एसी घोषणा की। (ज्ञानमार्ग, भक्तिमार्ग, अध्यात्ममार्ग)*

९. *पिता धर्मदेवने ..... को घनश्याम की देखभाल करने की सिफारीश की। (ईच्छाराम, रामप्रताप, भक्तिमाता)*

१०. *वन में घनश्याम के पास आने वाले भालु का नाम ..... था। (जांबुवान, जांबु भक्त, जांबुराज)*

प्र. २. निम्नलिखित सही वाक्यों के सामने ✔तथा गलत वाक्यों के सामने ✖चिह्न कीजिए । **१०**

१. *घनश्याम रामजी मंदिर में रामायण की कथा सुना करते थे।* .....

२. *महाराज के साधु दु:खों को सहन करेंगे, किन्तु किसी को दु:खी नहीं होने देंगे।* .....

३. *आसाम के वन में पिबक नामक ब्राह्मण रहता था।* .....

४. *धर्मदेव के धाम में जाने के प्रश्चात भक्तिमाता धाम में सिधारें।* .....

५. *रामानंद स्वामी और नीलकंठ का प्रथम मिलन पालीताणा में हुआ था।* .....

६. *महाराज संवत १८८६ के जेठा माह की कृष्ण पक्ष की दसवीं तीथी को धाम में सिधारे।* .....

૭. *जोबन पगी साधु बने थे।* .....

૮. *महाराजने छडी सवारी पे ककडी खाई तो नवाब नाराज हुए।* .....

૯. *माता-पिता के पाँव पडेंगे, संतजनों के चरण छूएँगे।* .....

૧૦. *शरीर पर चिकनी मिट्टी लगी हुई थी, महाराजने वे संतों को गले लगाया।* .....

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **૧૦**

૧. *महाराजने कौन से स्थान में रहकर 'शिक्षापत्री' की रचना की ?*

.....

૨. *अमदावाद के सुबेने महाराज को अमदावाद छोडकर कब तक जाने के लिये कहा ?*

.....

૩. *घनश्यामने कितनी आयु में गृहत्याग किया ?*

.....

૪. *जयरामदास के मित्र का नाम क्या था ?*

.....

૫. *मंदिर में कितने शिखर होते हैं ?*

.....

૬. *कौन-कौन से मंदिर घनश्याम की पसंद के थे ?*

.....

૭. *मुनि महाराजने क्या भविष्यवाणी की ?*

.....

૮. *भगवान के घर को क्या कहते हैं ?*

.....

૯. *मुक्तानंद स्वामीने निलकंठ को कौन सा नाम दिया ?*

.....

૧૦. *कौन से मंदिर को बनाने के लिये महाराज स्वयं प्रति दिन पत्थर उठाकर लायें हैं?*

.....

प्र. ४. नीचे दिया प्रत्येक वाक्य कौन किस से कहते है यह लिखिए । (किन्ही पाँच) **१०**

१. *''हमने सहन कर लिया, ईस से अपनी शोभा बढी है।''*

.....

२. *''नवखंड धरती पर उस का जयजयकार होगा।''*

.....

३. *''यह मठ आप के चरणों में समर्पित करता हुँ।''*

.....

४. *''हमारे लिये वही सच्ची भिक्षा है जो घर-घर से मिलती है।''*

.....

५. *''यह तो सब के भूत-भावि का मालिक है।''*

.....

६. *''मालिक मैं नहीं, मालिक नारायण है।''*

.....

७. *''अब से मेरे नाम की कोई शिकायत नहीं आयेंगी।''*

.....

प्र. ५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन पंक्तियों में दीजिए । (किन्ही पाँच) **१०**

१. *कौन कौन सी दुष्ट परंपराएँ महाराजने बन्द कराई ?*

.....

.....

.....

२. *प्राणवल्लभ नाम के ब्राह्मणने अपनी ईच्छा की पूर्ति कैसे की ?*

.....

.....

.....

३. *घनश्याम के खोले गये पृष्ठ पर क्या लिखा था ?*

.....

.....

.....

४. *'स्वामीकी बातें' क्या है ?*

.....

.....

.....

५. *देवीने मगनीराम से क्या कहा ?*

.....

.....

.....

६. *रामानंद स्वामी के लोज के आश्रम की विशेषता क्या थी ?*

.....

.....

.....

७. *महाराज के साधुओं के तीन लक्षण बतायें।*

.....

.....

.....

प्र. ६. नीचे में से किसी <u>एक</u> पाठ पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । (दस पंक्तियों में) १०

१. *सब को करने की तपस्या।* २. *सहजानंद स्वामी महाराज की जय।*

३. *गुरु।*

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ७. विभाग 'ब' में से योग्य शब्द पसंद कर के विभाग 'अ' के साथ जोडें बनाए । ५

'अ'		'ब'
१. *सहजानंद स्वामी*	.....	१. *लोज*
२. *सरयूदास*	.....	२. *डभाण*
३. *यज्ञ*	.....	३. *गीताजी*
४. *ज्ञानी*	.....	४. *ग्रंथ*
५. *ज्ञान*	.....	५. *इष्टदेव*

प्र. ८. नीचे की स्वामी की बातें पूर्ण करें । १०

१. *करोड काम बिगाड के* .....

.....

.....

२. *ऐसे साधु को* .....

.....

.....

३. *कितने रुपये* .....

.....

.....

४. *असावधानी क टालने का* .....

.....

.....

५. *निरंतर सभी क्रियाओं में .....*

.....

.....

प्र. ९. नीचे दिए गए कीर्तन/अष्टक/श्लोक की पाद - पूर्ति कीजिए । (किन्ही पाँच) **१०**

१. *त्वमेव माता .....*

.....

.....मम देवदेव।

२. *पुरुषोत्तम प्रगटनुं .....*

.....

.....सुगम करी सिद्धि।

३. *गुणातीतोऽक्षर .....*

.....

.....भवबन्धनात्।

४. *नित्य नित्य नौतम.....*

.....

.....कुटुंब सहित तरशे ।

५. *चोगडे चार.....*

.....

.....श्रीजीनी बोलो जय ।

६. *ॐ सहनाववतु .....*

.....

..... शान्तिः

७. *मातापिताने पाये .....*

.....

.....सदाय राखो चरणे अमने।

प्र. १०. नीचे में से किसी <u>एक</u> पाठ पर संक्षिप्त में लिखो । **१०**

१. *वेद हमें क्या सिखिए है ?*

२. *पेश्वा के सूबा का प्रंपच।*

३. *भगवान अवश्य हैं।*

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....